

Roll No.

Y – 2963 (A)

LL.B. (Three Year Degree Course) (Sixth Semester)

(SPECIAL) EXAMINATION, August 2021

(SECOND CHANCE)

Paper – 602

INTERPRETATION OF STATUTES

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Pass Marks : 36

नोट- सभी प्रश्न हल कीजिए।

Attempt *all* questions.

1. निर्वचन से क्या तात्पर्य है? निर्वचन क्यों आवश्यक है? कानून के अन्तर्गत कौन-कौन सी विशिष्टियाँ होती हैं? 20
What is the meaning of Interpretation ? Why Interpretation is necessary ?
What are the essentialities under the law ?
2. “न्यायालयों का यह कर्तव्य है कि वह विधायिका के वास्तविक आशय को समझे और उसके अनुसार ही कार्य करें।” स्पष्ट कीजिए। संविधियों के निर्वचन के सामान्य नियम क्या हैं? 20
“It is the duty of the Court of Law to discover and upon true intention of legislature.” Explain what are the rules for the interpretation of statutes.
3. “सभी निर्वचनों का उद्देश्य संसद के आशय को जानना है और यह आशय प्रयुक्त की गई भाषा से ही खोजा जाना चाहिए।” विवेचना कीजिए। 20
“The object of all interpretations is to discover the intention of the Parliament must be deduced from the language used.” Discuss.
4. दण्ड कानून में किसी निर्वचन के सम्बन्ध में निष्कर्ष निकालने के लिए न्यायालय के लिए क्या आवश्यक है? 20
What is necessary for the court to get interference in relation to the interpretation of penal statutes ?
5. संविधान के निर्वचन में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न सिद्धान्तों की संक्षेप में व्याख्या कीजिये। 20
Explain the various theories which are used in the interpretation of constitution.

Y – 2963 (A)